कविता

दोस्त

कात्यानी कौशिक*

जागते हैं हम रात को, दिन के इंतज़ार में
बुनते हैं रिश्तों को हम, अपनत्व के एहसास में
हर दिन नया सीखते हैं, अपने ही व्यवहार से।

कल तो सिर्फ़ एक ख्याल है, जीना ज़िंदगी फिलहाल है
खुशियाँ जीवन का अंग है क्योंकि उसमें मेहनत का रंग है।

सच्चे दोस्त होते हैं वे जो
नाराज़ नहीं होते छोटी बातों से
तेरा-मेरा नहीं देखते दोस्ती में
नहीं खेलते भावनाओं से।

तेरा-मेरा मिलकर को 'हम' बनाते हैं
फिर उस 'हम' को जीवन भर निभाते हैं।
छोटी बातों से नहीं रूठते हम
दोस्ती में सिर्फ़ किसी एक का नहीं होता गम
दोस्ती एक अनोखा बंधन है, दोस्ती एक आम बात नहीं है।
ज़िंदगी निकल जाती है इसे निभाने में
और गूँजता है आसमान किलकारियों में।

मेरी दोस्तों की टोली सर्वश्रेष्ठ है,
उनकी बात से होती नहीं ठेस है
वह दिमाग से नहीं दिल से सोचते हैं
हम मतलब नहीं दूसरों की खुशी देखते हैं
क्योंकि छोटी-छोटी बातों से नहीं रूठते हैं हम
दोस्ती में सिर्फ़ किसी एक का नहीं होता है गम।

* *छात्रा*, कक्षा 10, बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, नयी दिल्ली